INDIAN SCHOOL SOHAR

Set-1

FORMATIVE ASSESMENT-1

कक्षा ः VII | विषय ः हिन्दी | पूर्णांक ः 25

दिनांकः23/5/2013 | समय ः 45 मिनट

सामान्य निर्देश ः 1 कृपया जाँच लें कि इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न हैं।

2 प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व उसका क्रमांक अवश्य लिखा जाए।

.....

प्रश्न 1 अपठित गद्यांश

भारतीय तिथि के अनुसार चैत्र मास से नव वर्ष का आरंभ माना जाता है।इसी मास में अर्थात् वर्ष के आरंभ में आती है वसंत ऋतु , जिसे ऋतुराज भी कहा जाता है।इस ऋतु में प्रकृति का अनूठा श्रृंगार देखते ही वनता है। चारों ओर रंग- विरंगे पुष्पों की सुंदरता और मादक सुगंध मन हर लेती है।यह ऋतु सवसे सुहावनी , अद्भुत तथा आकर्षक होती है।पेड़- पौधे ,वृक्ष और लताएँ नए पत्तों से भर जाती हैं।प्रकृति का कण- कण नव आनंद और उत्साह का अनुभव करता है। न केवल प्रकृति वरन् मनुष्यों तथा पशु- पक्षियों में भी नए रक्त का संचार होने लगता है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन पर होती है। होली ,वसंत पंचमी और मदनोत्सव इस ऋतु के प्रमुख पर्व माने जाते हैं।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प छाँटकर लिखिए ः

(i) इस गद्यांश में कौन से युग्म शब्द नहीं हैं। 1

।क। रंग-विरंगे ।ख।पेड़-पौधे

। ग। भारतीय-तिथि ।घ।कण-कण

(ii) वसंत ऋतु की विशेषता है। 1

। क। फूलों की सुंदरता ।ख। मादक सुगंध

।ग। नए पत्तों का आगमन ।घ। उपरोक्त सभी

(iii) कौन से त्योहार इस ऋतु में मनाए जाते हैं। 1

।क़। ईद ।ख होली

।ग। दिवाली ।घ। ओणम

(iv) नव वर्ष का आरंभ कव से माना जाता है । 1

।क़। सावन ।ख। वैशाख

।ग़। फाल्गुन ।घ। चैत्र

(v) इस गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है। 1

।क। वसंत पंचमी ।ख। प्राकृतिक सुंदरता

।ग। ऋतुराज वसंत ।घ। नव वर्ष